वार्षिक चन्दा 150 रुपए
एक प्रति 15 रुपए

चन्दे की रकम कृपया एकलव्य, भोपाल के नाम बने ड्राफ्ट या मनीऑर्डर से भेजें

संपादन एवं संचालन
एकलव्य
ई-7/एच.आई.जी. 453,
अरेरा कॉलोनी, भोपाल 462 016
फोन : 0755-463380
फैक्स : 0755-461703
ई-मेल:eklavyamp@sancharnet.in

स्रोत

विज्ञान एवं टेक्नॉलॉजी फीचर्स

अंक 172
मई 2003

राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार परिषद्, डी.एस.टी. की एक परियोजना

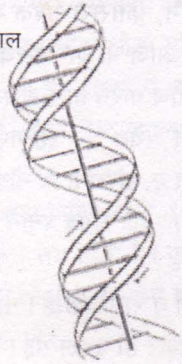

2 डी.एन.ए के पचास साल

23 **क्या** स्वजलधारा की नेकनियत योजना अपने वादों को पूरा कर पाएगी?

44 कहां है नारीयल का बीज

परिवर्तित जीन वाली सोयाबीन
डी.एन.ए. के पचास साल : डॉ. सुशील जोशी 2
छोटी माता जानलेवा नहीं - जागरूकता ज़रूरी : मनीष वैद्य 7
एक ज़हरीला पक्षी - पिटोहुई : दिगंबर गाडगिल 9
आकाश दर्शन 10
पौधों के रासायनिक संदेश वाहक हॉर्मोन : डॉ. किशोर पंवार 11
आई.आई.टी. तकनीकी शिक्षा के प्रतिमान : पी. बालाराम 16
प्रवासी भारतीय और विज्ञान : पी. बालाराम 18
करते क्या हैं ये वैज्ञानिक भला? : डॉ. डी. बालसुब्रमण्यन 21
स्वजलधारा क्या सबको पानी मिलेगा? : रेखा कृष्णन 23
वैज्ञानिक नस्लवाद - एक उलझी हुई गुत्थी : मोहन राव 27
एक फूटा थर्मामीटर और सविनय अवज्ञा : गोपालपुर नागेंद्रप्पा 32
एक बिच्छू दो ज़हर : डॉ. डी. बालसुब्रमण्यन 35
क्या मनोविज्ञान कोई विज्ञान है? : कमला मुकंद 38
विश्व पुस्तकालय का सपना : निरूपा सेन 42
कहां होता है नारीयल का बीज! 44

स्रोत में छपे लेखों के विचार लेखकों के हैं। एकलव्य या रा.वि.प्रौ.सं.पं. का इनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है। स्रोत का मासिक संस्करण स्वयंसेवी संस्थाओं, सरकारी संस्थाओं व पुस्तकालयों, विज्ञान लेखन से संबद्ध तथा विज्ञान व समाज के रिश्तों में रुचि रखने वाले व्यक्तियों के विशेष अनुरोध पर स्रोत के साप्ताहिक अंकों को संकलित करके तैयार किया जाता है।